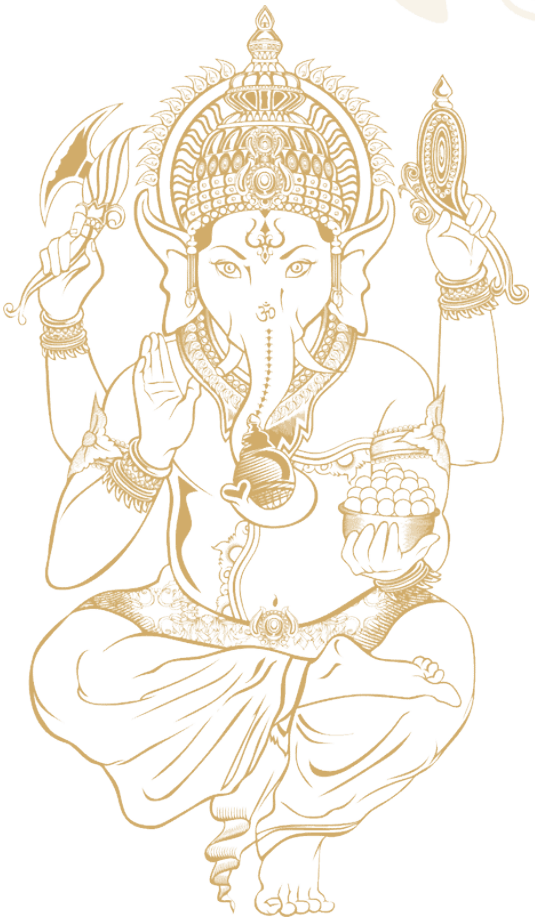

Kalpesh sakalchand kagtani

22 Nov 1999

11:55 PM

Kolhapur

Model: web-freekundliweb

Order No: 119567802

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**22/11/1999**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**23:55:00 घंटे**
इष्ट	43:06:36 घटी
स्थान	**Kolhapur**
राज्य	Maharashtra
देश	India

अक्षांश	16:42:00 उत्तर
रेखांश	74:19:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:32:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	23:22:16 घंटे
वेलान्तर	00:14:02 घंटे
साम्पातिक काल	03:27:28 घंटे
सूर्योदय	06:40:21 घंटे
सूर्यास्त	17:57:12 घंटे
दिनमान	11:16:51 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	06:08:56 वृश्चिक
लग्न के अंश	29:51:23 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**कृतिका - 1**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	परिघ
करण	विष्टि
गण	राक्षस
योनि	मेष
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	गरूड़
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	अ-अश्विनी
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु

Pt. Nagraj B Purohit
499 C Vod Aajad Gali Kolhapur
9423277977

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	29:51:23	335:27:53	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	शनि	---
सूर्य			वृश्चि	06:08:56	01:00:36	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	बुध	मित्र राशि
चंद्र			मेष	28:38:56	15:12:21	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	मंगल	सम राशि
मंगल			मक	03:27:37	00:45:44	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	उच्च राशि
बुध	व		तुला	22:18:43	00:27:27	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	शनि	मित्र राशि
गुरु	व		मेष	02:28:27	00:05:27	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	शुक्र	मित्र राशि
शुक्र			कन्या	21:04:44	01:07:17	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	शुक्र	नीच राशि
शनि	व		मेष	18:34:20	00:04:29	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	राहु	नीच राशि
राहु	व		कर्क	12:13:07	00:09:42	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	मंगल	शत्रु राशि
केतु	व		मक	12:13:07	00:09:42	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	शत्रु राशि
हर्ष			मक	19:24:18	00:01:32	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	---
नेप			मक	08:10:19	00:01:17	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
प्लूटो			वृश्चि	16:05:37	00:02:19	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	---
दशम भाव			वृष	00:22:48	--	कृतिका	--	3	शुक्र	सूर्य	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:51:04

लग्न-चलित

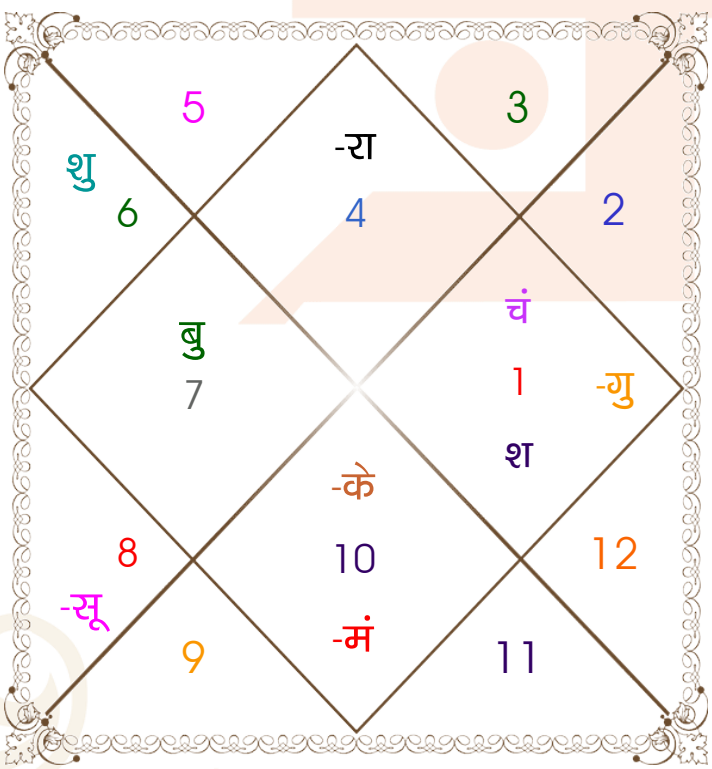

चन्द्र कुंडली

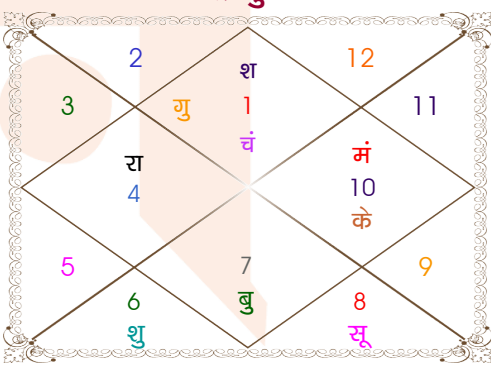

नवमांश कुंडली

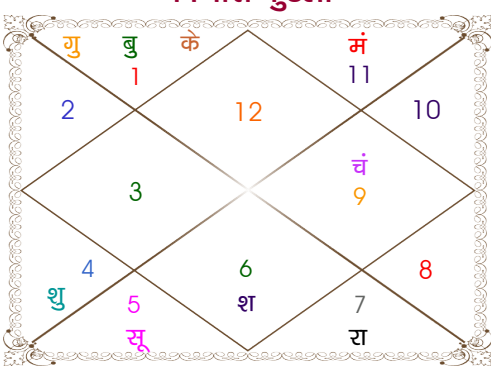

Pt. Nagraj B Purohit
499 C Vod Aajad Gali Kolhapur
9423277977

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 5 वर्ष 1 मास 9 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
22/11/1999		31/12/2004		01/01/2015		31/12/2021		01/01/2040	
31/12/2004		01/01/2015		31/12/2021		01/01/2040		01/01/2056	
	00/00/0000	चंद्र	01/11/2005	मंगल	30/05/2015	राहु	13/09/2024	गुरु	18/02/2042
	22/11/1999	मंगल	02/06/2006	राहु	16/06/2016	गुरु	06/02/2027	शनि	31/08/2044
मंगल	25/02/2000	राहु	02/12/2007	गुरु	23/05/2017	शनि	13/12/2029	बुध	07/12/2046
राहु	18/01/2001	गुरु	02/04/2009	शनि	02/07/2018	बुध	02/07/2032	केतु	13/11/2047
गुरु	07/11/2001	शनि	01/11/2010	बुध	29/06/2019	केतु	20/07/2033	शुक्र	14/07/2050
शनि	20/10/2002	बुध	01/04/2012	केतु	25/11/2019	शुक्र	20/07/2036	सूर्य	02/05/2051
बुध	26/08/2003	केतु	31/10/2012	शुक्र	25/01/2021	सूर्य	14/06/2037	चंद्र	31/08/2052
केतु	01/01/2004	शुक्र	02/07/2014	सूर्य	01/06/2021	चंद्र	13/12/2038	मंगल	07/08/2053
शुक्र	31/12/2004	सूर्य	01/01/2015	चंद्र	31/12/2021	मंगल	01/01/2040	राहु	01/01/2056

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
01/01/2056		01/01/2075		01/01/2092		01/01/2099		02/01/2119	
01/01/2075		01/01/2092		01/01/2099		02/01/2119		00/00/0000	
शनि	04/01/2059	बुध	29/05/2077	केतु	29/05/2092	शुक्र	03/05/2102	सूर्य	21/04/2119
बुध	13/09/2061	केतु	27/05/2078	शुक्र	29/07/2093	सूर्य	03/05/2103	चंद्र	21/10/2119
केतु	23/10/2062	शुक्र	26/03/2081	सूर्य	04/12/2093	चंद्र	01/01/2105	मंगल	23/11/2119
शुक्र	22/12/2065	सूर्य	31/01/2082	चंद्र	05/07/2094	मंगल	03/03/2106		00/00/0000
सूर्य	04/12/2066	चंद्र	02/07/2083	मंगल	01/12/2094	राहु	03/03/2109		00/00/0000
चंद्र	05/07/2068	मंगल	29/06/2084	राहु	20/12/2095	गुरु	02/11/2111		00/00/0000
मंगल	13/08/2069	राहु	16/01/2087	गुरु	25/11/2096	शनि	02/01/2115		00/00/0000
राहु	19/06/2072	गुरु	23/04/2089	शनि	04/01/2098	बुध	02/11/2117		00/00/0000
गुरु	01/01/2075	शनि	01/01/2092	बुध	01/01/2099	केतु	02/01/2119		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 5 वर्ष 1 मा 8 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

Pt. Nagraj B Purohit
499 C Vod Aajad Gali Kolhapur
9423277977

लग्न फल

आपका जन्म अश्लेषा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में कर्क लग्नोदय काल हुआ-लग्न के साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर मीन राशि का नवमांश एवं द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म आकृति से यह निर्देश प्राप्त होता है कि आप में दो प्रकार की विशेषता विद्यमान है। प्रथम तो यह है कि आप आस्तिक विचार धारा के भगवान के प्रति समर्पित प्राणी हैं तथा भगवान से भयभीत रहते है। दूसरा यह है कि आपके मन में धार्मिक तीर्थ-स्थानों का भ्रमण, दर्शन की अभिरूचि रहती है तथा आप दानशील प्रवृति के प्राणी है। आप पूर्ण रूपेण सांसारिक विषयों के प्रति रूचिवान है। आप ऐहिक सुखों के भोग हेतु किस प्रकार धन उपार्जन किया जाए। अर्थात् चाहे जो कुछ भी हों जीवन के अन्तिम किनारे तक सुख भोग एवं आनन्द प्राप्त करें। इसके अतिरिक्त आपको मद्यपान से स्नेह हैं। आप इन दो भिन्न-भिन्न विशेषताओं को किस प्रकार समतल करेगें यह आप ही जानते है।

आप वास्तव में सामंजस्य के विद्यान के ज्ञाता है तथा सामंजस्य स्थापित करते हैं। आप कुशाग्रबुद्धि के प्रशिक्षित विद्वतापूर्ण प्रतिभा सम्पन्न हैं। आप धन प्राप्ति हेतु अनीतिपूर्ण अभिलाषा नहीं रखते।

परन्तु आपकी जन्मजात प्रवृति है कि आपके दिमाग में यह बात रहती है कि किसी भी बातों के सम्बंध में भली प्रकार ज्ञान प्राप्त करें। आप किसी के साथ छल कपट पूर्ण व्यवहार नहीं कर दूसरों के साथ विश्वसनीयता पूर्वक सहयोग एवं सहारा लेकर किसी भी वस्तु को हस्तगत करना चाहिए कि नीति अपनाते हैं।

आपको अपने जीवन में सदैव उत्तम एवं मनोहर आनन्द प्राप्ति की अभिरूचि रहती है क्योंकि कि आप स्वार्थी प्राणी है। इस दृष्टिकोण से आपको विशेषतया सतर्कता अपनाना चाहिए। कम से कम परिवार के सामने अपने व्यक्तिगत महत्वकांक्षा को सीमित रखें। आपको अपनी पति एवं सुसन्तान के प्रति आज्ञाकारी भावनाओं से युक्त समर्पित भाव से सदैव तत्पर रहने से प्रसन्नता की प्राप्ति होगी। अतः आप निश्चित रूप से परिवारिक सदस्यों के सम्बंध की सीमा का उलंघन नहीं करे। आपको घर गृहस्थी द्वारा संयमित सुख साधन प्राप्त होगा। कर्क राशीय प्रभाव से आप वास्तव में अध्ययन तथा मार्गदर्शन कर सकते है। आप अपने निर्देशित शक्ति सम्पन्नता के पथ पर चलकर दूसरों के लिए उदाहरण प्रस्तुत करते हैं।

आपमें यह सामर्थ्य विद्यमान है कि आप कोई भी कार्य कुशलता पूर्वक सम्पन्न कर सकते हैं। आप अपनी तामसी प्रवृति का त्याग कर अथवा अवरूद्ध कर जन सामान्य में प्रसिद्धि प्राप्त करेगे।

आप औसतन लम्बे छरहरे बदन, चेहरा एवं पूर्ण (गाल) कपोल युक्त सुन्दर है। आप समय के महत्व को समझ कर चल सकते हैं और आप बेढंगे चाल चलन को त्याग दें बल्कि दृढ़तापूर्वक शोभनीय आचरण करें। यदि आप अधिक भोजन ग्रहण करते रहे तो आपके शरीर का अपरिमेय वृद्धि हो जाएगा तथा आप एक असामान्य दिखने लगेंगे। आपकी किशोरावस्था में स्वास्थ्य अच्छी रहेगी तथा आप अधिक समय तक मनोहर सुन्दर दिखेंगे।

आपके शरीर का समुचित विकास होगा। कर्क राशीय सिद्धान्त के प्रभाव से आपकी छाती में तथा पेट सम्बंधी रोगों (समस्याओं) के प्रति सावधानी बरतें क्योकि कुछ वर्षों के पश्चात् पाचन क्रिया विकृत होकर आपके सामने दिक्कतें पैदा कर सकती है। साथ ही आप शान्ति पूर्वक जीवन व्यतीत करने की आदत डालें क्योंकि आप एक सुन्दर (प्रसन्न) प्राणी हैं।

आप हिस्ट्रीया रोग, जॉनडिस (पीलिया रोग) एवं जलोदर रोग से प्रभावित तथा आक्रान्त हो सकते हैं। आप सतर्कता पूर्वक नियमित रूप से स्वास्थ्य परीक्षण कराते रहे।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।

आप अंक 4 एवं 6 अंक का व्यवहार हेतु (पसन्द) चुन सकते हैं। अंक 3 एवं 5 अंकों का परित्याग करें।

आपके लिए अनुकूल रंग सफेद, क्रीमकलर पीला एवं लाल रंग उत्तम है। कृपया रंग हरा एवं ब्लू रंग के वस्त्रादि धारण नहीं करें।